# महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय

## भरतपुर (राज.)

# SYLLABUS

# SANSKRIT

# B.A.(I,II,III years)

## (2020-21)

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Session 2021-22

स्नातक प्रथम वर्ष

संस्कृत साहित्य पाठ्यक्रम 2017–18

प्रथम प्रश्न पत्र – नाटक, नीति/कथा–साहित्य, व्याकरण एवं अनुवाद

समय : 03 घण्टे

पूर्णांक : 100

नोट :– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है।

पाठ्यक्रम :

1. स्वप्नवासवदत्तम् – भास। पूर्वार्द्ध – 1 से 4 अंक तक — 20 अंक
2. नीतिशतकम् – भर्तृहरि। पूर्वार्द्ध – 1 से 70 श्लोक तक — 20 अंक
3. हेतोपदेश –(मित्रलाभ पर्यन्त) – 100 श्लोक तक — 20 अंक

15 अंक

शब्दरूप –
अजन्त – राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, मातृ, फल।
हलन्त – श्रीमत् राजन्, विद्वस, आशिस्, जगत्, नामन्, मनस्,
संख्यावाची व सर्वनाम शब्द – एक, द्वि, त्रि, चतुर, पंचन्। सर्व, तद्, इदम्, किम्, (त्रिषु लिंगेषु) अस्मद् तथा युष्मद।
धातुरूप – निम्न दोनों प्रकार की धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् व लृट् लकारों में रूप पूछे जायेंगे।

15 अंक

परस्मैपदी – पठ्, गम्, पच्, भू, कृ, अस्, दा, दिव्,
आत्मनेपदी – लभ्, सेव्
कारक ज्ञान आधारित वाक्य रचना

10 अंक

अंक विभाजन

| क्र.सं. | पुस्तक | लघूत्तरात्मक प्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न व अंक | अंकयोग (अ+ब) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | स्वप्नवासवदत्तम् | 03 X 02 | 06 | श्लोक व्याख्या 2 X 4 = 08 + प्रश्न 1 X 6 = 6 (14) | 08 + 14 = 20 |
| 2 | नीतिशतकम् | 03 X 02 | 06 | श्लोक व्याख्या 2 X 4 = 08 + प्रश्न 1 X 6 = 6 (14) | 06 + 14 = 20 |
| 3 | हितोपदेश | 03 X 02 | 06 | श्लोक व्याख्या 2 X 4 = 08 + प्रश्न 1 X 6 = 6 (14) | 06 + 14 = 20 |
| 4 | व्याकरण शब्दरूप | 03 X 02 | 06 | अजन्त, हलन्त एवं संख्यावाची 03 शब्दों के पूरे रूप लेखितव्य 03 X 02 = 06 01 सर्वनाम शब्द के सभी विभक्ति व तीनों लिंगों के पूरे रूप 01 X 03 = 03 | 06 + 09 = 15 |
| 5 | धातुरूप | 03 X 02 | 06 | 03 धातुओं के सभी लकारों में रूप 03 X 03 = (09) | 06 + 09 = 15 |
| 6 | कारक | | | हिन्दी से सुस्कृतानुवाद 10 में से 5 = 2 X 5 = 10 | 10 |
| | कुल प्रश्न व अंक | 15 X 02 | 30 | | 30 + 70 = 100 |

विशेष निर्देश :–

भाग – अ

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित हैं।
2. उपर्युक्त तालिकानुसार प्रत्येक पुस्तक एवं उस पुस्तक के पाठ्यांशों से लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
3. शब्दरूपों में से किसी भी शब्द की किन्हीं 02 विभक्तियों के तीनों वचनों में रूप पूछे जायेंगे।
4. धातुरूपों में से किसी भी धातु के किसी भी लकार में तीनों पुरूषों में रूप पूछे जायेंगे।

भाग 'ब'

1. स्वप्नवासवदत्तम् पूर्वार्द्ध [redacted] में से 4 में से 02 चुनते हुए कुल 02 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है।

अंक : 04 + 02 = 08

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

एवं 02 समीक्षात्मक प्रश्नों में से 01 प्रश्न हल किया जाना अपेक्षित है।

2. नीतिशतकम् से पूछे गये क्रमशः दो–दो श्लोकों में से एक–एक चुनते हुए कुल 02 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है।
   पूर्वार्द्ध से दो टिप्पणी में से एक पर टिप्पणी लेखन अपेक्षित है।
3. हितोपदेश – मित्रलाभ से 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है।
   एवं 02 समीक्षात्मक प्रश्नों में से 01 प्रश्न हल किया जाना अपेक्षित है।
4. शब्दरूप – (अ) अजन्त – 02 शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों के रूप लिखना अपेक्षित है।
   (ब) हलन्त – 02 शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों के रूप लिखना अपेक्षित है।
   (स) संख्यावाची – 02 शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों व तीनों लिगों के रूप अपेक्षित है।
   (द) सर्वनाम – 02 शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों व तीनों लिगों के रूप अपेक्षित है।

धातुरूप – दोनों प्रकार की धातुओं में से 06 धातुओं के रूप पूछे जायेंगे। जिनमें से प्रत्येक प्रकार से एक धातु चुंनते हुए कुल 03 धातुओं के सभी लकारों में रूप लिखना अपेक्षित है।

कारक हिन्दी के 10 वाक्यों में से 5 का कारकज्ञान पर आधारित संस्कृतानुवाद करणीय है।

**सहायक पुस्तकें –**

स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ0 एन0डी0 शास्त्री
स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ0 यशवन्त कुमार जोशी
स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ0 विश्वनाथ शर्मा
नीतिशतकम् – डॉ0 विश्वनाथ शर्मा
हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ0 यशवन्त कुमार जोशी
संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र
अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल
सरल–संस्कृत व्याकरण – श्री बाबूलाल मीना।
स्वप्नवासवदत्तम –जगन्नारायण पाण्डेय।
नीतिशतकम् – डॉ0 यशवन्त कुमार जोशी
हितोपदेश (मित्रलाभ) – हिन्दी अनुवाद – रामेश्वर भट्ट
लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमीव्याख्या – पं0 भीमसेन शास्त्री
लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 पुष्करदत्त शर्मा
रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

## द्वितीय प्रश्न–पत्र – भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य एवं व्याकरण

नोट :– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम –

1. भारतीय संस्कृति के तत्व – (पूर्वार्द्ध) पृष्ठ–भूमि, विशेषताएँ, पुरूषार्थचतुष्टय, वर्णाश्रम व्यवस्था, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण — 30 अंक
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) — 30 अंक
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा एवं अच् सन्धि प्रकरण। — 40 अंक

अंक विभाजन

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | लघूत्तरात्मक प्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न व अंक | अंकयोग (अ+ब) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | भारतीय संस्कृति के तत्व | 03 X 02 | 06 | प्रश्न 1 X 10 = 10 + टिप्पणी 2 X 7 = 14 (24) | 06 + 24 = 30 |
| 2 | किरातार्जुनीयम | 04 X 02 | 08 | श्लोक 2 X 7 = 14 + प्रश्न 1 X 8 = 8 (22) | 08 + 22 = 30 |
| 3 | लघुसिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा | 04 X 02 | 08 | सूत्र व्याख्या, 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की व्याख्या 4x4=16 | 08+16=24 |
| 4 | अच् सन्धि | 04 X 02 | 08 | 4 पदों में से 2 पदों की सिद्धि 4x2=8 | 08+08=16 |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | कुल प्रश्न व अंक | 15 X 02 | 30 | | 30 + 70 = 100 |

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

विशेष निर्देश–

भाग 'अ'

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित हैं।
2. उपर्युक्त तालिकानुसार प्रत्येक पुस्तक एवं उस पुस्तक के पाठ्यांशों से लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे (बहुविकल्पात्मक नहीं)।

भाग 'ब'

**भारतीय संस्कृति के तत्त्व** से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में अपेक्षित है।अंक–10

**भारतीय संस्कृति के तत्त्व** में से 04 कुल टिप्पणियों में से 2 टिप्पणियों का उत्तर अपेक्षित है। अंक–7X2=14

**"किरातार्जुनीयम्"** में से पूछे गए चार श्लोकों में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है। अंक–7X2=14

एवं 02 समीक्षात्मक प्रश्नों में से 01 प्रश्न हल किया जाना अपेक्षित है। अंक–8X1=08

**लघुसिद्धान्त कौमुदी**– संज्ञा एवं अच् सन्धि से 08 सूत्रों में से 04 की सोदाहरण व्याख्या। अंक–4X4=16

04 पदों में से 02 पदों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि। अंक–2X4 =08

सहायक पुस्तकें–

भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व– डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
सरल–संस्कृत व्याकरण – श्री बाबूलाल मीना।
भारत की संस्कृति व साधना – डॉ. रामजी उपाध्याय।
संस्कृत –कवि–दर्शन – पं. भोलाशंकर व्यास।
भारतीय संस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रो. श्यामलाल शर्मा।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री।
स्नातक–संस्कृत–व्याकरण– श्री बाबूलाल मीना।
भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री।
भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीती प्रभा गोयल।
किरातार्जुनीयम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी।
किरातार्जुनीयम् – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।

**Session 2021-22**

**Only For Session 2020-21**

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

2020–2021

## बी.ए. द्वितीय वर्ष (सत्र 2018–19)

### 3. संस्कृत

सामान्य निर्देश–

1. विषय के दो प्रश्नपत्र होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र में दो भाग होंगे, जिसमें भाग 'अ' लघुत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। भाग 'ब' में व्याख्यात्मक, अनुवाद, निबन्धात्मक व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
3. भाग 'अ' में कुल 15 प्रश्न होंगे और प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।
4. यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश कर दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के उत्तर के लिए निर्धारित हैं।

### प्रथम प्रश्न पत्र

नाटक, छन्द, अलंकार एवं इतिहास

पूर्णांक–100 न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

पाठ्यक्रम –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कालिदास (1 – 4 अंक) – 45 अंक
2. छन्द – 15 अंक
3. अलंकार (काव्यदीपिका – अष्टमशिखा) – 15 अंक (उदाहरण अभिज्ञानशाकुन्तलम् से)
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – 25 अंक

अंक विभाजन

| क्र. स. | पुस्तक का नाम | लघुत्तरात्मक प्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न | अंक | अंक योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अभिज्ञानशान्कुन्तम् | 05 | 10 | 03 | 35 | 10+35= 45 |
| 2. | छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर) | 02 | 04 | 01 | 11 | 4+11= 15 |
| 3. | अलंकार (अभिज्ञान शाकुन्तलम् के आधार पर) | 02 | 04 | 01 | 11 | 4+11= 15 |
| 4. | संस्कृत साहित्य का इतिहास | 06 | 12 | 02 | 13 | 12+13=25 |
| | कुल योग | 15 | 30 | 07 | 70 | 100 |

प्रश्न पत्र निर्माण के लिए निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग 'अ' 30 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक, निबन्धात्मक व व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

**Only For Session 2020-21**

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(6N)

अंक विभाजन

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से द्वितीय अंक) – दो श्लोकों में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या– 10 अंक
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (तृतीय से चतुर्थ अंक) – दो श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या– 10 अंक

[redacted]

3. अभिज्ञानशाकुन्लतम् के आधार पर दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न – 15 अंक
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त छन्दों में से चार छन्द देकर दो के लक्षण एंव उदाहरण – 11 अंक
5. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा) में से अधोलिखित अलंकारों में से कोई 4 देकर दो के लक्षण एवं उदाहरण – अभिज्ञानशाकुन्तलम् से) 11अंक

(अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोकित, अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति, व्यतिरेक, समासोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, तुल्योगिता, सन्देह और भ्रांतिमान्)

6. संस्कृत साहित्य का इतिहास – 25 अंक
   (क) वीर काव्य– रामायण तथा महाभारत
   (ख) गद्यकाव्य– दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, अम्बिकादत्त व्यास
   (ग) नाट्य साहित्य – भास, शूद्रक, कालिदास, विशाखादत्त, भवभूति, राजशेखर।

   उपर्युक्त में से दो प्रश्नों में से कोई एक निबन्धात्मक प्रश्न – 09 अंक

   उपर्युक्त बिन्दुओं में से दो टिप्पणी देकर कोई एक टिप्पणी अपेक्षित – 04 अंक

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–**


1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रो. प्रभाकर शास्त्री एवं डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी रतन प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
6. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ. रामप्रकाश गुप्त, युवराज संस्कृत पब्लिकेशन, आगरा
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 विश्वनाथ शर्मा, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
8. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा)– डॉ0 रामनारायण झा, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
9. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा)– डॉ0 रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
10. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा)– डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
11. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
12. सरल रचनानुवादकौमुदी – डॉ0 कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
13. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. अनुवादचन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
15. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर
16. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
17. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. पुष्करदत्त शर्मा, अजमेरा बुक प्रकाशन, जयपुर
18. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. रामदेव साहू, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
19. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
20. संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
21. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
22. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. कैलाशनाथ द्विवेदी, हंसा प्रकाशन जयपुर
23. संस्कृत साहित्य का प्राचीन एवं अर्वाचीन इतिहास – डॉ. रामसिंह चौहान, रितु प्रकाशन, जयपुर
24. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
25. संस्कृत साहित्य का सरल इतिहास – डॉ0 पाठक एवं डॉ0 सीरौटिया, युवराज पब्लिकेशन, आगरा
26. राजस्थान के प्रमुख संस्कृत मनीषी – डॉ. मधुबाला शर्मा, हंसा प्रकाशन जयपुर


Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अंकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(7)

# बी. ए. द्वितीय वर्ष

## संस्कृत

### द्वितीय प्रश्न पत्र

### वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य, व्याकरण एवं अनुवाद

पूर्णांक–100 न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त) –20 अंक–(वरूण, संज्ञान एवं क्षेत्रपति)
2. ईशावास्योपनिषद् (यजुर्वेद का 40 वां अध्याय) –10 अंक
3. गद्य सहित्य (शुकनासोपदेश) गुरूपदेशपर्यन्त –25 अंक
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण) –25 अंक
5. अनुवाद एवं कारक प्रकरण –20 अंक

प्रश्न पत्र निर्माण के लिए निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग 'अ' 30 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक को लघूत्तरात्मक, निबन्धात्मक व व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

**अंक विभाजन**

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | लघूत्तरात्मक प्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न | अंक | अंक योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ऋग्वैदिक सूक्त | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14–20 |
| 2. | ईशावास्योपनिषद् | 02 | 04 | 01 | 06 | 4+6–10 |
| 3. | शुक्नासोपदेश | 03 | 06 | 02 | 19 | 6+19–25 |
| 4. | लघुसिद्धान्तकौमुदी – अजन्त प्रकरण | 02<br>02 | 04<br>04 | 02<br>02 | 08<br>09 | 4+8–12<br>4+9–13 |
| 5. | अनुवाद एवं कारक | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14–20 |
| | कुल योग | 15 | 30 | 11 | 70 | 100 |

1. वैदिक साहित्य ( ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त)
   (क) वरूण (1.25) (ख) क्षेत्रपति (4.57) (ग) संज्ञान (10.191)
   (1) उपर्युक्त सूक्तों के चार मंत्रों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या – 10 अंक
   (2) उपर्युक्त सूक्तों में से दो में से किसी एक सूक्त का संस्कृत मं सार– 04 अंक
2. ईशावास्योपनिषद् के दो मंत्रों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या – 06 अंक
3. (क) शुकनासोपदेश में से चार गद्यांश देकर दो की सप्रसंग व्याख्या – 14 अंक
   (ख) शुकनासोपदेश पर आधारित दो प्रश्न देकर प्रश्न हल करना अपेक्षित है – 05 अंक
4. सिद्धान्तकौमुदी के निम्नलिखित कारक सूत्रों का ज्ञान–

   (I) (प्रतिपादिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा (II) कर्तुरीप्सितमं कर्म (III) कर्मणि द्वितीया (IV) अधिशीङ्स्थासां कर्म (V)अकथितं च (VI) उपान्वध्याङ् वसः (VII) अभितःपरितःसमयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि द्वितीया (VIII) अन्तरान्तरेण युक्ते (IX) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (X) साधकतमं करणम् (XI) कर्तृकरणयोस्तृतीया (XII) अपवर्गे तृतीया (XIII) सहयुक्तेऽप्रधाने (XIV) येनांगविकारः (XV) इत्थंभूतलक्षणे (XVI) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् (XVII) चतुर्थी सम्प्रदाने (XVIII) रूच्यर्थानां प्रीयमाणः (XIX) धारेरूत्तमर्णः (XX) क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः (XXI) नमः

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

स्वरितस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च (XXII) ध्रुवमपायेऽपादानम् (XXIII) अपादाने पंचमी (XXIV) जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम् (XXV) भीत्रार्थानां भयहेतुः (XXVI) वारणार्थानामीप्सितः (XXVII) आख्यातोपयोगे (XXVIII) भुवः प्रभवश्च (XXIX) षष्ठी शेषे (XXX) षष्ठी हेतु प्रयोगे (XXXI) कर्तृकर्मणोः कृति (XXXII) आधारोऽधिकरणम् (XXXIII) सप्तम्यधिकरणे च (XXXIV) यस्य च भावेन भावलक्षणम् (XXXV) यतश्च निर्धारणम्।

उपर्युक्त चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या – 08 अंक

5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण)
   (क) अजन्त प्रकरण – निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त होने वाले सूत्रों का अर्थज्ञान, राम, हरि, गुरू, रमा, नदी, ज्ञान, वारि, सर्व–04 की रूपसिद्धि में से दो ही रूपसिद्धि – 8 अंक

   उपर्युक्त शब्दों की सिद्धि में प्रयुक्त चार में से दो सूत्र की सोदाहरण व्याख्या – 09 अंक
6. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद– छः हिन्दी वाक्यों में से तीन का संस्कृत में अनुवाद – 06 अंक

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–


1. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. ऋक्सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. ऋक्सूक्तसमुच्चय – डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
4. वैदिकसूक्तमुक्तावली – डॉ. सुधीर कुमार गुप्त, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. वैदिकसूक्तमुक्तावली– डॉ. लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिक सूक्तावली – डॉ. जे. सी. नारायणन, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
7. वेदसूक्तचयनम् – डॉ0 कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशनन्स, आगरा
8. ऋक्सूक्तसंग्रह – डॉ0 देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
9. ईशावास्योनिषद् – डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
10. ईशावास्योनिषद् – पं. तारिणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद,
11. ईशावास्योनिषद् – डॉ. हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर
12. ईशावास्योनिषद् – डॉ. श्रीकृष्ण त्रिपाठी, चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी
13. ईशावास्योनिषद् – डॉ. जे. सी. नारायणन्, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
14. ईशावास्योनिषद् – डॉ. रामप्रकाश गुप्त, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
15. ईशावास्योनिषद् – माणिक्यलाल शास्त्री, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
16. शुकनासोपदेश – डॉ. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
17. शुकनासोपदेश – माणिक्यलाल शास्त्री, एवं डॉ. सन्तोष कुमार शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
18. शुकनासोपदेश – डॉ. चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
19. शुकनासोपदेश – डॉ0 कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
20. लघुसिद्धान्तकौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली
21. लघुसिद्धान्तकौमुदी – ( अजन्त एवं हलन्त प्रकारण) – डॉ. जगदीश शर्मा, हंसा प्रकाशन जयपुर
22. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त एवं हलन्त प्रकरण ) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद संस्कृतहिन्दी पुस्तक भण्डार जयपुर
23. लघुसिद्धान्तकौमुदी(अजन्त एवं हलन्त प्रकरण)– डॉ. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन दिल्ली
24. लघुसिद्धान्तकौमुदी( अजन्त एवं हलन्त प्रकरण)–डॉ. जे. सी. नारायणन्, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
25. लघुसिद्धान्तकौमुदी ( अजन्त प्रकरण) – डॉ0 मधुरलता द्विवेदी, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
26. लघुसिद्धान्तकौमुदी– (हलन्त प्रकरण) – डॉ0 श्रद्धा सिंह, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
27. कारक प्रकरण ( सि0कौ0) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
28. कारक प्रकरण ( सि0कौ0) – हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन जयपुर
29. कारक प्रकरण ( सि0कौ0) – डॉ0 अशोक कुमार यादव, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
30. कारक दीपिका – पं. मोहनवल्लभ पंत, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
31. रचनानुवादकौमुदी –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
32. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
33. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका– डॉ. जे.सी. नारायणन, अरिहन्त प्रकाशन, जयपुर


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

2020–2021

बी.ए. संस्कृत तृतीय वर्ष

पूर्णांक–100 न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

समय–3 घण्टे

## प्रथम प्रश्नपत्र–भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

पाठ्यक्रम

1. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) 25 अंक
2. तर्कसंग्रह (प्रत्यक्ष पर्यन्त) 20 अंक
3. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त 10 अंक
4. कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय (प्रथम वल्ली) 20 अंक
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) भू, एध, पाँच लकारो में 25 अंक

**अंक विभाजन**

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | लघुत्तरात्मक प्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न | अंक | अंक योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) | 03 | 06 | 03 | 19 | 6+19–25 |
| 2. | तर्कसंग्रह | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14–20 |
| 3. | भारतीय दर्शन के सिद्धान्त | 02 | 04 | 01 | 06 | 4+6–10 |
| 4. | कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय (प्रथम वल्ली) | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14–20 |
| 5. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) | 04 | 08 | 04 | 17 | 18+17–25 |
| | कुल योग | 15 | 30 | 12 | 70 | 100 |

**अंक विभाग**

1. (अ) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोक देकर किसी एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या 10 अंक
   (ब)श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोक देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या 4अंक
   (स)श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न 5 अंक
2. (अ) तर्कसंग्रह में से चार गद्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या 8 अंक
   (ब) तर्क संग्रह पर आधारित दो प्रश्नों में से एक सामान्य प्रश्न 6 अंक
3. भारतीय दर्शन के निम्नलिखित सिद्धान्त–
   (अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएं (ब)सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
   (स)योगदर्शन का अष्टांगयोग (द) चार्वाक की तत्व मीमांसा

   उपर्युक्त में से दो में से एक प्रश्न का उत्तर 6 अंक
4. (अ) कठोपनिषद के प्रथम अध्याय की प्रथम वल्ली में से दो दो मन्त्र देकर किन्हीं दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या 8अंक
   (ब) कठोपनिषद् पर आधारित दो में से एक प्रश्न 6 अंक
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण)
   (अ) लघुसिद्धान्तकौमुदी के तिङन्त प्रकरण में से भू धातु के पांच लकारों तथा एध् धातु की लट्, लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ् में चार शब्दों में से दो की रूपसिद्धि 8 अंक
   (ब) उपर्युक्त भू धातु तथा एध् धातु के पाँच सूत्रों में से तीन की सोदाहरण व्याख्या 9 अंक

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें


| | | |
|---|---|---|
| 1. | श्रीमद्भगवद्गीता (2,3,4 अध्याय) | – डॉ. श्रीकृष्ण त्रिपाठी, चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी |
| 2. | श्रीमद्भगवद्गीता (2, 3 अध्याय) | – डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर |
| 3. | श्रीमदभगवद्गीता (2, 3 अध्याय) | – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर |
| 4. | श्रीमद्भगवादगीता (2, 3अध्याय) | – डॉ. ज्योति वर्मा, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा |
| 5. | श्रीमद्भगवदगीता (2, 3, अध्याय) | – डॉ. हीरेन्द्र कुमार शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर |
| 6. | श्रीमदभगवदगीता(2, 3 अध्याय) | – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर |
| 7 | तर्क संग्रह | – डॉ. दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीराम, दिल्ली |
| 8. | तर्क संग्रह | – डॉ. पंकज कुमार मिश्र, परिमल प्रकाशन, जयपुर |
| 9. | तर्क संग्रह | – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर |
| 10. | तर्क संग्रह | – डॉ. नरेन्द्र शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर |
| 11. | तर्क संग्रह | – डॉ. रामसिंह चौहान, अलंकार प्रकाशन, जयपुर |
| 12. | तर्क संग्रह | – डॉ. एन. के झा, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली |
| 13. | भारतीय दर्शन | – प्रो0 बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी |
| 14. | भारतीय दर्शन | – प्रो0 जदुनाथ सिन्हा मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली |
| 15. | भारतीय दर्शन | – डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनासीदास दिल्ली |
| 16. | भारतीय दर्शन | – डॉ. उमेश मिश्र, उ. प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ |
| 17. | भारतीय दर्शन | – दत्ता एवं चटर्जी, पुस्तक भण्डार, पटना |
| 18. | कठोपनिषद् | – डॉ. नाथूलाल सुमन, नितिन पब्लिकेशन्स अलवर |
| 19. | कठोपनिषद् | – डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, हंसा प्रकाशन जयपुर |
| 20. | कठोपनिषद् | – डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर |
| 21. | कठोपनिषद् | – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, जगदीश संस्कृत, पुस्तकालय, जयपुर |
| 22. | कठोपनिषद् | – डॉ. सुधाकर द्विवेदी, युवराज पब्लिकेशन, आगरा |
| 23. | कठोपनिषद् | – डॉ. जे.सी. नारायणन्, अलंकार प्रकाशन, आगरा |
| 24. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली |
| 25. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली |
| 26. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, दिल्ली |
| 27. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. प्रभुराम सूत्रकार, नितिन पब्लिकेशन, अलवर |
| 28. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. सुभाष वेदालंकार और डॉ महेश कुमावत, अलंकार प्रकाशन, जयपुर |
| 29. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर |
| 30. | लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिड़न्त प्रकरण) | – डॉ. जगदीश शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर |


**Only For Session**
**2020-21**

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# द्वितीय प्रश्न पत्र
## काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध

पूर्णांक 100
समय–3 घण्टे

न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

### पाठ्यक्रम

1. रघुवंशम्, द्वितीय सर्ग 1–40 श्लोक — 20 अंक
2. रामायण, बाल काण्ड, प्रथम सर्ग 1–60 श्लोक — 20 अंक
3. महाभारत, उद्योगपर्व, विदुरनीति का 34 अध्याय — 20 अंक
4. मनुस्मृति, द्वितीय अध्याय, 1–75 श्लोक — 20 अंक
5. संस्कृत में निबन्ध — 10 अंक
6. प्रत्यय ज्ञान (प्रत्यय विधायक सूत्र सहित) — 10 अंक

### अंक विभाजन

| क्र. सं. | पुस्तक का नाम | लघूत्तरात्मक प्रश्न | अंक | निबन्धात्मक प्रश्न | अंक | अंक योग |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | रघुवंशम (द्वितीय सर्ग) | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14=20 |
| 2. | रामायण, बालकाण्ड(प्रथम सर्ग) | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14=20 |
| 3. | महाभारत, उद्योगपर्व (विदुरनीति का 34,अध्याय) | 02 | 04 | 02 | 16 | 4+16=20 |
| 4. | मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय, 1 से 75 श्लोक तक) | 03 | 06 | 02 | 14 | 6+14=20 |
| 5. | संस्कृत में निबन्ध | 01 | 02 | 01 | 08 | 2+8=10 |
| 6. | प्रत्यय ज्ञान (प्रत्यय विधायक सूत्रसहित) | 03 | 06 | 01 | 04 | 6+4=10 |
| | कुल योग | 15 | 30 | 10 | 70 | 100 |

अंक विभाजन

1. (अ), रघुवंशम, के द्वितीय सर्ग से चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या — 8 अंक
   (ब) रघुवंशम् के द्वितीय सर्ग से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर — 6 अंक
2. (अ) रामायण के बालकाण्ड के प्रथम सर्ग में से चार में से दो की सप्रसंग व्याख्या — 8 अंक
   (ब) बालकाण्ड के प्रथम सर्ग पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर — 6 अंक
3. (अ) महाभारत, उद्योगपर्व, विदुरनीति के 34 अध्याय से दो दो श्लोक देकर किन्ही दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या — 10 अंक
   (ब) विदुरनीति पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर — 6 अंक
4. (अ) मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के 1से 75 तक के चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या — 8 अंक
   (ब)मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के 1 से 75 तक के श्लोकों पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न — 6 अंक
5. निम्ननिलिखित में से चार में से एक पर संस्कृत में निबन्ध– — 8 अंक

   (अ) संस्कृतभाषायाः महत्वम् (ब)भारतीयसंस्कृतिः (स) मम प्रियः कविः (द)सत्संगतिः
   (य) उद्योगस्य महत्वम् (र) स्त्री शिक्षा (ल)पर्यावरणम् (व)विद्यायाः महत्वम्

6. निम्नलिखित प्रत्ययों का सामान्य ज्ञान (सूत्र सहित)
   क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

उपर्युक्त प्रत्ययों के उदाहरणों में से दो में से एक शब्दों में प्रकृति प्रत्यय का ससूत्र ज्ञान –04 अंक

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें**


1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) – डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, जगदीश संस्कृत, पुस्तकालय, जयपुर
2. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
3. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
4. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. रघुवंशम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. रविकान्त मणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)– डॉ. भेषराज शर्मा, हंसा प्रकाशन जयपुर
7. रामायण, बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)– डॉ. उषा शर्मा, आयुर्वेद सं. हिन्दी पुस्तकं भण्डार, जयपुर
8. विदुरनीति – डॉ. कृष्णकान्त शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ
9. विदुरनीति – डॉ. रेवतीरमण शास्त्री, यूनिक ट्रेडर्स, जयपुर
10. विदुरनीति – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
11. विदुरनीति – डॉ. हरिनारायण यादव, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
12. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. श्याम शर्मा, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
13. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. भेषराज शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
14. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. कमलनयन शर्मा, आयुर्वेद सं. हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
15. मनुस्मृति(द्वितीय अध्याय) – डॉ. शिवशंकर गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
16. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. अनुवाद चन्द्रिका – डॉ. चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
18. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
19. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – डॉ. चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली
21. संस्कृत निबन्ध परिजात – डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
22. संस्कृत निबन्धाजली – डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
23. संस्कृतनिबन्धरत्नाकर – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
24. संस्कृतनिबन्धपीयूषम् – डॉ. कृष्णगोपाल जांगिड, हंसा प्रकाशन, जयपुर
25. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
26. संस्कृतनिबन्धनिकुंज – डॉ. वासुदेवकृष्ण, चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
27. संस्कृत निबन्ध निहारिका – डॉ. अशोक कुमार यादव, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा


**Only For Session 2020-21**

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)